

# Wheat (4355/4361/4363/4365)

# नीव सीड्स गेहूँ (4355/4361/4363/4365)

# नीव सीड्स

## Suitability of the variety for the Agro Climatic Zone :

Wheat is a cool season crop. Higher productivity can be expected if maximum temperature remains within 15-22 & 23-28°C and minimum temperature remains within 5-11 & 8-14°C during vegetative & grain development stages, respectively.

<b>Sowing Time</b> : (Rabi) 01 October to 20 December .
<b>Crop duration</b> : (Rabi) 125-135 days from sowing to harvest (PB, HR & North R.J) (Rabi) 120-125 days from sowing to harvest (South R.J, MP, UP, CG, JH & MH)
<b>Seed Rate</b> : 35-50 kg per acre

## कृषि जलवायु क्षेत्र के लिए किस्म की उपयुक्तता :

गेहूँ ठंडे मौसम की फसल है। यदि वातावरणिक और अनाज विकास चरणों के दौरान अधिकतम तापमान क्रमशः 15-22 & 23-28 डिग्री सेल्सियस के भीतर रहता है और न्यूनतम तापमान 5-11 और 8-14 डिग्री सेल्सियस के भीतर रहता है तो उच्च उत्पादकता की उम्मीद की जा सकती है।

<b>बुवाई का समय</b> : (रबी) 01 अक्टूबर से 20 दिसंबर तक ।
<b>फसल की अवधि</b> : (रबी) बुवाई से कटाई तक 125-135 दिन (पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान) (रबी) 120 - बुवाई से कटाई तक 125 दिन (दक्षिण राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र)
<b>बीज दर</b> : 35-50 किलोग्राम प्रति एकड़ !

## Land Preparation Practices :

**Ploughing** : Plough twice with an iron plough and two to three times with cultivator and prepare the land to a fine tilth.

**Leveling** : Level the field to ensure uniform irrigation and seedling growth.

**FYM** : Before sowing or at the time of field preparation it is recommended to apply 10-12 t/ha of FYM or compost.

## Fertilizer dose per hectare with timing :

Apply fertilizer on soil test basis. In the absence of a soil test, add following quantities of fertilizers on medium fertility soils:

**Basal application: Apply 50% of nitrogen and 100% of potassium & 100% of Phosphorus during land preparation.**

<b>Nitrogen (N)</b>	<b>Phosphorus(P)</b>	<b>Potassium(K)</b>
120kg/h	60kg/h	40kg/h

## भूमि की तैयारी :

नुनदर : दो बार हल से और दो से तीन बार कल्चरीवेटर से नुनदर करें और मिट्टी को भूदृष्टी और न्यूनता पानी सोखने के लिए चरवाहा करें।

समानता : एक समान सिंचाई और भूदृष्टि सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र को समतल करें।

फसल/दर : बुवाई से पहले या क्षेत्र की तैयारी के समय 10-12 टन/हेक्टेयर फसल/दर या कमपोस्ट डालने की सलाह दी जाती है।

## समय के साथ प्रति हेक्टेयर उर्वरक मुद्राक :

नूतन पद्धति के आधार पर उर्वरक लागू करें। नूतन पद्धति की अनुपस्थिति में, न्यूनतम उर्वरता वाली मिट्टी पर उर्वरकों की किमानलिखित मात्रा डालें।

बेसल अदरतन : भूमि की तैयारी के दौरान 50% नाइट्रोजन और 100% पोटैशियम और 100% फॉस्फोरस डालें।

<b>नाइट्रोजन (N)</b>	<b>फॉस्फोरस (P)</b>	<b>पोटाशियम (K)</b>
120kg/h	60kg/h	40kg/h

## Top dressing :

No. of Dressing	Nitrogen	Potassium	Phosphorus	Days after sowing (DAS)
First Top Dressing	25%	-	-	20-25 DAS
Second Top Dressing	25%	-	-	40-45 DAS

## शीर्षद्वेषित :

द्वेषित की संख्या	नाइट्रोजन	पोटैशियम	फॉस्फोरस	बुवाई के कुछ दिन बाद (डीएस)
पहला शीर्षद्वेषित	25%	-	-	20-25
दूसरा शीर्षद्वेषित	25%	-	-	40-45

## Irrigation Schedule :

<b>First irrigation</b> : 21-25 days after sowing (Crown Root initiation stage).
<b>Second irrigation</b> : 40-45 days after sowing (Tillering stage).
<b>Third irrigation</b> : 70-75 days after sowing (Late jointing stage).
<b>Fourth irrigation</b> : 90-95 days after sowing (Flowering stage)

## सिंचाई अनुसूची :

<b>पहली सिंचाई</b> : बुवाई के 21-25 दिन बाद (काउन रूट डीआर चरण)
<b>दूसरी सिंचाई</b> : बुवाई के 40-45 दिन बाद (टिलरिंग चरण)
<b>तीसरी सिंचाई</b> : बुवाई के 70-75 दिन बाद (लेट जोइंटिंग चरण)
<b>चौथी सिंचाई</b> : बुवाई के 90-95 दिन बाद (फ्लोरिंग चरण)

## Weed Control :

**Pre-emergence herbicide** : Apply Thibencarb at 2.5 liters per hectare or Pendimethalin at 3.0 liters per hectare.

**Post-emergence weed control** : Use a narrow plough or rotary weeder after 3 to 4 weeks of germination in line-sown crops.

## झरपतवार नियंत्रण :

**अदरतन से पहले आनामनी** : थायबेन्कार्ब को 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर या पेन्दिमथैलिन को 3.0 लीटर प्रति हेक्टेयर पर लगाएं।

**अदरतन के बाद झरपतवार नियंत्रण** : लाइन में बोई फसलों में अंकुरण के 3-4 महीने बाद एक संकीर्ण हल या रोटाटरी वेडर का उपयोग करें।

## Pest & Disease Control - chemicals with doses & timing :

### Pest Control :

**Stem Borers** : Carbofuran 3G: Apply 3 kg per hectare at 20 and 40 days after sowing.

**Termite** : Apply Quinalphos (27 ml) in 18 liters of water.

### Disease Control :

**Rust** : Spray the crop with Propiconazole (Tilt 25 EC @ 0.1 per cent), or Tebuconazole (Folicur 250C @ 0.1%) or Triadimefon (Bayleton 25WP @ 0.1%) at stripe rust initiation using 200 litre of water/ha.

**Loose smut and covered smut** : Seed treatment with Carboxin (75 WP @ 2.5 gm/kg seed) or Carbenodazim (50 WP @ 2.5gm/kg seed) or Tebuconazole (2DS @ 1.25 gm/kg seed) or a combination of a reduced dosage of Carboxin (75 WP @ 1.25 gm/kg seed) and a bioaerog fungus Trichoderma viride (@ 4 gm/kg seed) is recommended.

**Karnal bunt** : One spray of Propiconazole 25EC (Tilt 25 EC) @ 0.1 per cent using 200 litre of water be given at 50% flowering.

**Powdery mildew** : spray of Propiconazole (Tilt 25 EC @ 0.1%).

## कीट और रोग नियंत्रण - मुद्राक और समय रसायन :

### कीट नियंत्रण :

**तना चूषक** : कार्बोफूरान 3 जी बुवाई के 20 व 40 दिन बाद 3 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से डरकी मात्रा में छिड़काव करें।

**टीरमक** : 18 लीटर पानी में क्विनाल्फॉस (27 मिलीलीटर) डालें।

### रोग नियंत्रण :

**रंग** : प्रोपिकोनाज़ोल (टिल्ट 25 ईसी @ 0.1 प्रतिशत), या टेबुकोनाज़ोल (फोलिकुर 250सी @ 0.1%) या ट्रायडिमेफोन (बेयलेटन 25 250सी @ 0.1%) के साथ दवाव देकर रस्ट रोग पर 200 लीटर पानी/हेक्टेयर का उपयोग करके फसल को छिड़काव करें।

**नून सम और कवर्ड स्मूट** : कार्बोक्सिन (75 WP @ 2.5 gm/kg बीज) या कार्बेनोडाज़िम (50 WP @ 2.5gm/kg बीज) या टेबुकोनाज़ोल (2DS @ 1.25 ग्राम/किग बीज) या कार्बोडैज़िम (75 WP @ 1.25 ग्राम/किग बीज) और थायबोलेटन कवर्ड स्मूट रोग पर 200 लीटर पानी/हेक्टेयर (4 ग्राम/किग बीज) की कम मुद्राक के संगोहन की सिफारिश की जाती है।

**कारनल बंट** : प्रोपिकोनाज़ोल 25 ईसी (टिल्ट 25 ईसी) @ 0.1 प्रतिशत का एक से 200 लीटर पानी का उपयोग करके 50% फूल पर दवाव देना चाहिए।

**झरना फफूंदी** : प्रोपिकोनाज़ोल का से (डुकाव 25 ईसी @ 0.1%)

## Harvesting :

**Maturity indicators** : Harvest when the grains are hard, and the plants have turned golden yellow.

**Post-Harvest** : Thresh the grains and dry them in the sun to reduce moisture content to 10-12%.

## कटाई :

**परिपक्वता संकेतक** : फसल तब काट दें जब तक कि गेहूँ न हो, और पीठे नुनदर पीठे हो जाते हैं।

**कटाई के बाद** : अनाज को श्रेष्ठ करें और नमी की मात्रा को 10-12% तक कम करने के लिए उन्हें धूप में सुखानें।

The recommended package of practice is based on trials done at company's Research stations .

Consult the nearest SAU/ICAR Research Station or your local State Agriculture Officer for guidance in growing a good crop.

अनुशंसित पैकेज ऑफ प्रैक्टिस (जैती के लिए सुझाई गई विधियाँ) कंपनी के अनुसंधान केंद्रों पर किए गए परीक्षणों पर आधारित है।

एक अच्छी फसल उगाने के संबंध में मार्गदर्शन के लिए निकटतम राज्य कृषि विश्वविद्यालय (SAU) / भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) अनुसंधान केंद्र या अपने स्थानीय राज्य कृषि अधिकारी से सलाह लें।

